

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग III—वण्ड 1 PART III—Section 1

प्रापिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 25] No. 25] नई दिल्ली, सोमबार, नवस्वर 24, 1986/अग्रहायण 3, 1908

NEW DELHI, MONDAY, NOV. 24, 1986/AGRAHAYANA 3, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की काली हैं जिससे कि यह अहग संकलन के कप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

कार्यालय सहायक आयकर प्रायुक्त (निरंक्षण) भजन रेंज 5

नई दिल्ली, 14 नवम्बर, 1986

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-डे के श्रधीन मूचनाएं।

निर्देण सं. ग्राई ए. सं. ग्रजंन III/5/37ईई/2-86/1601:—यतः, मुने, श्री मन्नोक मनचन्दा मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा एया है) की घारा 269ख के ग्रधान सक्षम ग्रधिकारा को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 इ. से ग्रीकि है और जिसकीं संख्या है तथा जो फ्लेट नं. 506, पांचवा खंड, 17, यूसफ सराय, नई दिल्ला में स्थित है (और इसमे उभागत अनुसूचों में पूर्व का से याणत है), अध्यकर अधिकारों के कार्यालय, सहाय में

स्रायकर श्रायुक्त (निर क्षण) मर्जन रेंज 5 नई दिल्तो में भारत य रिजस्ट्र करण सिर्धित्यम, 1961 के प्रधान तार ख फरवर। 86 को पूर्वोक्त संप्यत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम वृश्यमान प्रतिफल के लिख्य अन्तरित का गई है और मुझे ये विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित-बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितः (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधे न कर देने के अन्तराल के धायित्य में कमा करने या उससे अधने में सुविधा के लिए और/या
- (अ) ऐसा किसो भाग या किसो धन या श्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रीधृनियम,

1922 (1922 का 1)या घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए, :

श्रतः, श्रवं, उक्त श्रधिनियम को घारा 269-म के अनुसरण में, में उक्त श्रधिनियम को धारा 269-म को उप-धारा (1) के श्रवं न निम्नलिखित व्यक्तियां, श्रयीत्:---

- श्री भागोट प्रापटींस एंड इंडस्ट्रो लि .
 102-103, राजा हाउस, 30-31, नेहर पलेस, नई दिल्नों-19 (प्रतारक)
- 2 श्रं मत स्वर्नर्ज त चिमन और मिस्टर विक्रमजीत सिष्ठ चिमनी 2981, फेस-7, मोहली, पंजाब । (अन्ति:ति)

को यह सूबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरु करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबन्ध में कोई भा श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धा व्यक्तियों पर सूचना को ताम₁ल से 30 दिन का अविधि जो बाद में समाप्त होतं. हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राज-पत्न में प्रकाशन की तारेख में 45 दिन के भातर उभन स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्न व्यक्ति द्वारा श्रंबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेगें।

स्पडाकरण:--इसमें प्रयुक्त णब्दों और पदों का, जो प्रायक स् प्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, यहा प्रयोहोगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

भनुभूचे*।*

फ्लेट नं. 506, पाचवा खंड लगाग क्षेत्र 300 वर्ग फीट पनाट कस्ट्रक्टिड पनाट नं. 17, यूनक सराज, दिल्ला, ।

तार,ख भोहर

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE V

New Delhi, the 14th November, 1986

NOTICES UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Ref. No. 37-EE|2-86|1601-IAC|Acq. III.—Whereas I A.K. Manchanda being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act,

1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable, Property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing No. 506 on fifth floor, on Plot No. 17, Yusuf Sarai, New Delhi, and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer of I.T. Act, 1961 IAC Range V, New Delhi on February, 86, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration there for by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrufent of transfer with the object of:

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957)
- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of rection 269D of the sald Act to the following persons namely:—

- (1) M|s. Bhanot Properties & (Transferor) Industries Limited 102-103, Raja House, 30-31, Mehru Place, New Delhi
- (2) Mrs. Swaranjeet Chinni-2981 Phaire-VII Mohali, Punjab-160061.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the official gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Charter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULF

Flat No. 506 on fifth floor having an approx, area of 300 sq. ft. on the plot to be constructed on plot No. 17, Yusuf Sarai, Community Centre.

Dated 1-4-86.

निर्देश सं. भाई ए सी/प्रर्शन-III/37-ईई/2-86/1602:--अतः मुझे, श्री अशोक मनचन्दा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रविनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्रविधारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्तत्ति, जिल्लका उपित बाजार मूल्य 1,00,000/-ए. से अधिक है और जिसका संख्या.....है सथा जो प्लेट ने. 505, पांचवा खंड, लगभग क्षेत्र 300 वर्ग फंट ण्लाद्धनं : 17, युसुफ धराय, नई दिल्ली में स्थित है (और इसपे उपाबद अनुसूची में पूर्व रूप से विफित है), आविकर अधिकार के कार्यालन, सहानक आयकर आयुक्त (निरक्षण) श्रजेत रेंज 5 नई दिलके में भारतीय रजिस्ट्रे करण श्रिधिनयम, 1961 के अर्जान तार ख फरवरा 1986का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कमा से कम दुर्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तिरित्त का गई है और मुझे पढ़ निख्यात करने का कारण है कि ययापूर्वीका सम्पत्ति का उविल-ग्राजार मूल्य, उत्तके दुश्यमान प्रतिभाव है, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिसा (अन्तरितियों) के बाच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्तलिखित उद्देश्य से उन्त श्रन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किता आय की वाबय आयकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रवीन कर देते के श्रन्तरक के दाबित्व में कमी करने मा उसने बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किना थान या किसा धन वा भन्न आस्तियों की, जिन्हें भारत या भानकर अधितियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) या, धन कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

थतः प्रव उन्त प्रधिनियम को धारा 209-म के प्रनुसरण मैं, उन्त प्रधिनियम का धारा 209-घ को उप-धारा (1) के प्रजोन निम्नामिखित व्यक्तियों, प्रयोत् :---

- शि भनोट प्रोपर्टीस एंड इंडस्ट्र.ज लिमि. 102-103, राजा हाउस, 30-31, मेहर प्लेस, ,नई विल्ला। (भन्तरक)
- 2 श्री कर्नल बोर्रेंब्र सिंह चीमनी और मिली सेरेना हिल्ली 2981, फैस-7, मोहाली, पंजाब ।

(भ्रन्तरितः)

का यह सूचना जारा करके पर्योवत सम्यक्ति के प्रजन के लिए कार्यवाह शुरु करता है। एक्त सम्पत्ति के प्रजन के ब संबन्ध में कोई भो माक्षप

(क) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की भवधि या ह पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध जो बाद में समाप्त होता हो, के भातर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस भूचना के राज-पत्न में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भातर उपत स्यावर समाति में हिनबद्ध किसा अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताक्षरी के पाम निखित में किए जा नहींगे।

स्पष्टाकरण:--इयमें प्रयुक्त मन्दीं और पदी का, जी श्रायकर स्रविनियम, 1961 (1961 का 43) के अञ्चल 20-क में यया-परिमायित है, यहा श्रय होता, जो उन प्रधाय में दिल गना है।

अनुसूचः

फ्तेट नं. 505, पांचना खंड, लगनग क्षेत्र 300 वर्ग फं.ट

प्लाट कंस्ट्रेक्टिङ प्लाट नं. 17, युनूफ सराय, दिल्ला।

सवाक भनचन्दा, सक्षम श्रविकारः सहायक श्रायंकर श्रायुक्त (निराक्षण) श्रविन्दिज-5

सारीख: 14-11-86 मोहर

Ref. No. 37-EE|2-86|1602-IAC|Acq.III.---Whereas I A.K. Marchanda being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing No. 505 on fifth floor, situated at 17, Yusuf Sarai, Community Centre, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer of I.T. Act, 1961 IAC V Range, New Delhi on February, 1936, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of this Act. or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957)
 - (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I necessary initiate proceeding for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:

- (1) Mls. Bhanot Properties & Industries Ltd., 102-103, Raja House, 30-51, Nehru Place, New Delai. (Transferor)
- (2) Col. Birender Singh Chimni, Mrs. Serena Dhillon C-6/57, Safdarjung Dev. Area, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the official gazette,

Expanation:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 505 on fifth floor having an approx. area of 300 sq. ft. on the plot to be constructed at Yusuf Sarai, Community Centre.

A. K. MANCHANDA, Competent Authority Inspecting Astt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range—V

New Delhi. Dated 14-11-86. Seal:

नई दिल्ली, 12 नवम्बर, 1986

निर्देश सं. अ।ई. ए. सं:./श्रर्जन ७ /३७५६/७-०६/ 1536. — अतः मुझे श्रीवा के मंगोला, ग्रायकर ग्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त प्रक्षिनियम कहा गया है) को घारा 269ख के श्रवन सक्षम श्रव्धिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, - जिसका उभित्र बाजार मृत्य 1,00,000/-- र. से अधिक और जिसको संख्या --तथा जो सुपर एरिया 930 वर्ग फट क्लेट नं, 1-101, 11वां खंड बिल्डिंग नं. 4, जनकपूरी डिस्ट्रिक्ट सेंटर, नई बिल्लं। में स्थित है (और इसक्षे उपायद्व भागुसूचः में पूर्व रूप से वर्णित है), सहायक ब्रायकर घ्रायुक्त (निरंक्षण) धर्जन रें 7 नई दिल्ला में भारताय द्यायकर प्राक्षिनियम, 1961 के प्रधान तार ख फरवरं, 1986 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम से कम वृद्धमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित का गई है और मुझेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उजिल बाजार मूल्य, रासके वृश्यमान प्रतिफल् से; ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह

प्रतिशत प्रधिक है और भन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसा भाय का बाबत भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधान कर देने के अन्तराल के दायित्व में कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसा किसा आय या किसा धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारताय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था/किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

भतः भव उक्त भधिनियम को धारा 269म के भनुसरण में, उक्त भधिनियम का धारा 269-घ का उप-भारा (1) के भधान निम्नलिखित व्यक्तियां, भर्थात :---

- मैसैंस नायगेरा होटल्स एंड बिल्डर्स प्रा. लिमि.
 8 स /6, डब्ल्यू ई ए, करोल बाग,
 नई दिल्ला (प्रन्तरक)
- 2 श्र. बं के खोतला, 26, बंग्लो रोड, कमला नगर, दिल्ला (अन्तरितः)

को यह सूचना जारा करके पूर्वोवत सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहः गुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबन्ध में कोई भा भाकीप

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन को तार.ख से 45 दिन के अविध या तत्सम्बन्धः ध्विषतयां पर सूचना को ताम ल से 30 दिन का प्रविधि जो बाद में समाप्त होत. हो, के मौतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसा व्यक्ति हारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन का तार, ख से 45 दिन के भातर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबत किसा अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रदोहस्ताक्षरा के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ट करण:-- इसमें प्रयुक्त गन्दों और पर्वो का, जो ग्रायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रकाय 20-क में यथा परिभाषित है, यहा अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

*मनु*सूची

सुपर एरिया 930 वर्ग फ.ट फ्लैट नं. 1101 खंड, Ш विंख्या नं. 4 जनकपुरा डिस्ट्रिक्ट सेंटर, नई विल्ला ।

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE VII

New Delhi, the 12th November, 1986

Ref. No. IAC|Acq.VII|37-EE|2-86|1536.—Whereas I, V. K. Mangoira, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 or 1961) (hereinalter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 1101 situated at Bldg. No. 4, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration in the Office of the IAC Range Acq. in Feb. 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said Instrument f Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (I) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

- (1) M's. Niagara Hotels & Builders (P) Ltd., 8C|6, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. B.K. Khosla, 6, Bunglow Road, Kamla Nagar, Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of Notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gusette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Super area 930 sq. ft. Flat No. 1101 on the 11th floor, Building No. 4, Janakpuri Distt. Centre. New Delhi.

Date 12-11-86

Seal:

निर्वेश सं श्राई.ए.सं. अर्जन 7/37-ईई/2-86/1537.--भतः मुझे, श्रांबा के मंगीता, भावकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रधि-नियम, कहा गया है) के, बारा 269 ख के ब्रधान सक्षम भिकार: को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्यु 1,00,000 চ. से प्रधिक है और जिसको संख्या 4 है तथा जो सुपर एरिया 737 **व**र्न फ.ट फ्लेट नं. 1101, 11वां **घं**ड, अनकपुर, नई दिल्ता में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध भन्सूचा में पूर्ण रूप से विणित है), सहायक आयक्त प्रायुक्त (निरक्षण) मर्जन रेंज 7, नई दिल्लः में भारताय धायकर **मधि**नियम, 1961 के धवान तारीख फरवरा 1986 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है और मुझे ये त्रिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दुग्यमान प्रतिकल से, ऐसे दुरयमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितः (भन्तरितियों) के बंच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसा भाग का गावत अस्त श्रीधिनियम, के भधान कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमा करने या उससे बचन में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसं किसं आय या किसं धन या अत्य आस्तियों को, जिन्हें भारत य अध्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनुदार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्थ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था/किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

भतः भव उत्ता श्रीविनयम का घारा 269 ग के भनु-सर्ग में, में उन्नत भीधिनयम का घारा 269 म का उपधारा (1) के श्रधान निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रमीत :---

- मैसर्स नायमेरा होटल्स एंड बिल्डस प्रा. लिमि.
 8 स. /८, डइन्यू ई ए, करोज बता, नई दिल्लो ।
 (मन्तरक)
 - श्री की के खोसला 26, बंग्लो रोड, कमला नगर, दिस्ला (भन्तरिता)

यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए ार्ग शुरू करता है। जबत सम्पत्ति के अर्जन के संम्बन्ध में कोई भा अक्षिप: —

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन को तारोख से 45 दिन का अविधि या तत्सम्बन्धां व्यक्तियां पर सूचनाका तामील से 30 दिन का प्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के मातर पूर्यक्ति व्यक्तियां में किसा व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तार ख से 45 दिन के भातर उनत स्थावर सम्पतित में हिनबद्ध किया अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरा के पास निखित में किए जा समेंगे।

स्पष्टाकरणः—इसमें प्रयुक्त भव्दा और पदों जा, जो उक्त व्यक्षिनियम, के श्रद्धाय 20-क में यथा परिमाणित है, यहः भर्य होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

श्रनुपूत्रा

सुपर एरिया 737, वर्ग फ,ट फ्लेट नं. 1108, 11यां खंड, बिल्डिंग नं. 4, जनकपुरा जिला सेंटर, नई बिल्लो ।

वाराख : 12-4-86

मोहर:

Ref. No. IAC|Acq. VII|37EE|2-86|1537.—Whereas I, V. K. Mangotra, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe hat the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 1108 situated at Building No. 4, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration in the Office of the IAC Range Acq. of New Delhi in Feb. 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration, for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (I) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M|s. Niagara Hotels & Builders 'P' Ltd., 8C|6, W.E.A., Karol Bagh, New Delhi, (Transferor)
- (2) Shri B.K. Khosla, 26, Bunglow Road, Kamla Nagar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a Period of 30 days from the service of Notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Super area 737 sq: ft. Flat No. 1100 on the 11th floor, building No. 4, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi.

Date 12-11-86.

Seal:

निर्देश सं आई. पू. मो. VII/37EE-2-86/1538.-अनः मुझे, श्री अन्तिके, मंगीत्रा, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसुमें इसके पश्चात उक्त ग्रधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के ब्रधीन सक्षम श्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लाहा उचित बाजार मूल्य 1,00,000/⊶ रु. से श्रिधिक है और जिसका संख्या 4 है तथा को सुपर एरिया 930 वर्ग फुट फर्म न. 1107, 11वां खेड, जनकपरी सेंटर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्ध ग्रन्सची में पूर्व रूप से वर्णित है), सहायक आजकर आयुक्त (निरंक्षण अर्जन रेंग-7 नई दिल्ली में भारतीय मधिनियम, 1961 के मधीन तारीख फरवरी 198**6** को पूर्वीक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम वृश्यमान प्रतिफल के लिए झन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और भ्रन्तरितो (भ्रन्तरितियों) के ब्रीच ऐसे भ्रम्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित सहैका से सक्त प्रन्तरण लिखित में द्वास्तविक रूप से कथित मुद्दी किया गया है:--

(क) श्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भाधिनियम, के भेंधीन कर देने के भन्तरच के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था/किया जाना चिहए था, छिनाने में सुविधा के लिए ।

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम का धारा 269-म के श्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रिशिनयम का धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत्:—

- मैं. नायगेरा होटल्स एंड विल्डिंक लिभि. 8सी/6, डब्झू. इ. ए., करोल बाग नई दिली। (श्रन्धरक)
- 2. श्री वी. के. खोसला, 26, बंग्लो रोड, कमला नगर,, नई दिल्ली (श्रन्तरिती) को यह सूत्रता जारी करके पुर्वीका सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहो सुरु करता है। उक्त सम्यक्ति के अर्जन के सबस्थ में कोई भी आर्जन :—
 - (क) इस सूचना के राष्ट्रिय में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि वाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;
 - (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान: सम्पत्ति में दिनगत्र कियो अन्य व्यक्ति द्वारा, अओहस्ताक्षरा के पास तिखित में किए जा सर्जों।

साउद्योकरण:--इनमें प्रमुक्त माठ्यों और पदों का, जो प्रायकर प्रतिनियम 1961 (1961 का 43) के ब्रह्माय 20 क में यथा परिमाणित है, यही खर्व होगा, जो उस प्रत्याय में दिया गया है।

. श्रनुयू ची

सुपर एरिया 930 वर्ग फीट, फ्लैंट नं. 1107, 11या खड, विल्डिंग नं. 4, जनकपुरी जिला सेंटर, नई दिल्ली।

तार,ख : ्12-11-86

मोहर :

Ref. No. IAC|Acq. VII|37EE|2-86|1538.—Whereas I, V. K. Mangotra, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaffer referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 00,000]and bearing Flat No. 1107 situated at Building No. 4, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Registration in the Office IAC Range Acq.-7 New Delhi on February 1986 for an ipparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have cason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Niggara Hotels & Builders 'P' Ltd. 8C/6, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri B. K. Khosla, 26, Bunglow Road, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid pass within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Super area 930 sq. ft. Flat No. 1107 on the 11th floor Building No. 4, Janakpuri, Distt. Centre, New Delhi.

Dated 12-11-1986. Seal

निरेंग सं. प्राई. ए. सी./ग्रर्जन-7/37इइ/2-86/1539:---ं मतः मधे, श्री वी. के. मंगोंता मायकर, मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत झिंदियंम' कहा गया है) की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित गाजार मृत्य 1,00,000/- है. से प्रीधिक, है और जिसका संस्था . . है तथा जो सुपर एरिया 757 वर्ग फीट 11वां खंड बिल्डिंग नं. 4, जनकपूरी डिस्ट्रीक्ट सेंटर, मई विस्ली में स्थित है (और इससे अपाबद प्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), के कार्यालय, सहायक भायकर भायकर भायकत (निरीक्षण) प्रजंत-रेंज 7, मई विल्ली में भारतीय बायसर प्रधितियम, 1961 के प्रधीन ारीज फरवरी 1986 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम से कम दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित कः गई है और मुझे ये विश्वास करने का कारण है कि यथा (यीकित सम्पति का उचित बाजार मुख्य, असके दुश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरति (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर धन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आधकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमा करने या उससे अबने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐनी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्थ भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रष्टिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्रायकर भ्रष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर भ्रष्टिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा/किया जाना भाहिए था, छि सूबिका के किए।

ग्रत: ग्रम उन्त श्रधिनियम क, धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में उन्त ग्रधिनियम क, धारा 269-व क, उप-धारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान्:--

- मैसर्स नायगेरा होडल्स एण्ड बिल्डिसं प्रा. लिपि. 8सी/6, डब्ल् इ ए, करोल बाग, नई दिल्ली। (अन्यरक)
- श्री बी के खोसला, 26, बंग्लो रोड, कमला नगर, दिल्लो । (ग्रन्त्रिती)

को यह सूर्यमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के लिए कार्यवाही सुरू करता है।

उक्त सम्पति के मर्जन के सबस्य में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजाल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धः व्यक्तियों पर सूचना की तामिन से 30 दिन की अवधि के बाद में समाप्त होतः हो, के भीतर पूर्वनित व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपस में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास शिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ध्रव्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही ध्रयं होना, को उस ध्रध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

सुवर एरिया 757 वर्ग फीट फ्लैंट मं. 1102, 11वां खंड विस्टिंग नं. 4, जनकपुरी डिस्ट्रिक्ट सेंटर, मई दिस्सी।

वाराख: 12-11-86

मोहर:

Ref. No. IAC|Acq. VII|37EE|2-86|1539.—Whereas I, V. K. Mangotra, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000and bearing Flat No. 1102 situated at Building No. 4, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration in the Office of the 1AC Range Acq.-7 of New Delhi on February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M's. Niagara Hotels & Builders 'P' Ltd., 8C[6, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

Shri B. K. Khosla,
 Bunglow Road, Kamla Nagar,
 Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Super Area 757 sq. ft. Flat No. 1102 on the 11th floor, building No. 4, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi.

Date: 12-11-1986.

Seal

निर्देश सं. आई. ए. सी./अर्जन/7/37इइ/2-86/1540:~ अतः मझे श्री वी. के. मंगोबा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1.00, 000/- इ. से अधिक है और जिसकीं मंख्या फरेट नं. 1109 है तथा जो मुपर एरिया 631 वर्ग फीट जनकपुरी लैंटर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमुच। में पूर्व रूप से वर्णित है), महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 7 नई दिल्ली में भारतीय आयक्तर अधिनियम 1961 के अधीन नारील फरवरी 1986 को पुर्शन्ति समाति के उचित्र बाजार, मूल्य से कम से कम दुश्य-मान प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे ये। विश्वास करने का कारण है कि एस पुर्वोक्त सम्मति का उचित-बाजार मुल्य, उसके दृश्यमता प्रतिकान से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपाल केपन्द्रह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अनिरितो (अन्तरिवियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया 1162 GI/86--2

गयः प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) है अधीर निम्तनिवित व्यक्तियों, अर्थान्:--

- 1. श्री/श्रीमति/कुमारी नायगेरा होटल्स एंड बिल्डर्स प्रा० लिमि. 8 सी/6, डब्स्ययू इ ए, करोल बाग, नई दिल्ली। (अन्यक्र)
- 2. श्री ती. के. खोसला 26, बंग्लो रोड़, कमना नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है। उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस सूचना के राजस्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना का ताम ल मे 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजगत्न में प्रकाशन को गरो ब न व दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सहेंगे।

म्याप्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त मन्दो और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में प्रशासित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनमकी

सुरर एरिया 631 वर्ष फुट पलेट नं. 1109, 11वर्ष खंट बिल्डिंग नं. 4, जनक पुरी डिल्ट्रिक्ट मेंटर, नई दिल्ली नार,खं: मोहर :

Ref. No. IAC|Acq. VII|37EE|2-86|1540.--Whereas I V. K. Mangotra, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) [hereinafter referred to as the said Act] have reason to believe that the immovable, property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing Flat No. 1109 situated at Building No. 4, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi (and more fully lescribed in the Schedule annexed hereto) has been ransfered under the Registration in the Office JAC Range Acq. 1 New Delhi on February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such 'ransfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M]s. Niagara Hotels & Builders 'P' Ltd. 8C|6, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

Shri B. K. Khosla,
 Bungalow Road,
 Kamla Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Super area 631 sq. ft. Flat No. 1109 on the 11th floor, Building No. 4, Janakpuri District Centre, New Delhi.

Date 12-11-1986. Seal

निर्देश मं. आई. इ. ए. मी./अर्जन/7/37ईई/2-86/ 1560:-अतः मझे श्री वी. के. मंगोता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम ' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन मक्षम अधिकार: को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- ए. से अधिक है, और जिसकी मंख्या फ्लेट नं, 1103, है तथा जो सूपर एरिया 11 वां खंड बिल्डिंग नं ् 4, जनकपूरी डिस्ट्रिक्ट सेंटर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूच में पूर्व रूप से वर्णित है) सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज ७ नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख फरवरी 1986 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम से कम दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे ये विण्वास करते का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपंत्तिका उचित-बाजार मृत्य, उसके दण्यमान प्रतिफल से, ऐसे दण्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाबत आयकर अधितियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था/किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए,

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थीन:—

- श्री/श्रीमित/कुमारी मैंसर्स तायगेरा होटल्म एंड बिल्डिर्स प्रा. लिमि 8 सी/6, डब्ल्य इ ए. करोल बाग, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- 2. श्री बी के खोसला 26, बंग्लो रोड, कमला नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्य शुरु करता है। उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामाल से 30 दिन की अविधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर संपंति में हितबड़ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्टीकरण इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आपकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यस परिसाधित है, यहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुपर एरिया 745 वर्ग फोट फ्लेट नं. 1103, 11वा खंड बिल्डिग नं. 4, जनकपूरी डिस्ट्रीक्ट सेंटर, ब्रेंनई ब्दल्ली।

ताराख: 12:11-86 मोहर:

Ref. No. IAC|Acq. VII|37EE|2-86-1560.-Whereas 1, V. K. Mangotra, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) [hereinafter referred to as the said Act] have reason to believe that the immovable, property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000and bearing Flat No. 1103 situated at Building No. 4, Janakpuri Distt. Centre, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration in the Office IAC Range Acq. New Delhi on February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) ◆and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the

aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M|s. Niagara Hotels & Builders 'P' Ltd. 8C|6, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

Shri B. K. Khosla,
 Bungalow Road,
 Kamla Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Super area 745 sq. ft. Flat No. 1103 on the 11th floor, Building No. 4, Janakpuri District Centre, New Delhi.

Date: 12-11-1986.

Seal:

निर्वेश सं.आई ए :स्। /पन्यू. 7/37इइ/2-86/1554:-ग्रत: मुझे, श्री वी.के. मंगोला श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के ग्रधीन सक्षम ग्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- ह. से मधिक है और जिसक, संख्या-है तथा जो सुपर एरिया 737 वर्ग फ.ट फ्लैट नं. 1111, खंड 11, बिल्डिंग नं. 4, जनकपुरी जिला सेण्टर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में पूर्व रूप से बर्णित है), सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज 7 नर्ड दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन तारीख फरवरी 1986 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान ग्रानिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे ये विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और भ्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निस्तिलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मेंसुविधा के लिए और/या
- (ब) ऐती किसी आय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर श्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा

ग्रा: ११ । ३३ अधिनियम क धारा 269-ग के श्रनुसरण में इन्त ६ विटिंग की धारा 269-**ग** उपधारा (1) के अधि किनालिखित व्यक्तियों, श्रर्थात :---

 मैं की क्षायगेरा होटल्स एंड बिल्डिसे प्रा. लि. 8 सी/ 6, डब्ब्यू इ.ए. करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तःक)

श्रीमित सती खोसला पत्नी बी. के. खोसला
 26, बंग्लो रोड, कमला नगर, दिल्ली।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामाल से 30 दिन की अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगें।

पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त णक्दों और पदों का, जो ब्रायकर प्रितियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20 क में यथा परिभाषित है, यही ब्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

श्रनुसूची

नुपर एरिया 737 वर्ग फीट फ्लैंट नं. 1111, 11वां खंड बिल्डिंग नं. 4, जनकपुरी जिला सटर, नई दिल्ली।

त[⊺]र{ख : 12−11−86

मोहर :

Ref. No. IAC|Acq. VII|37EE|2-86|1554.—Whereas I, V. K. Mangotra, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 [43 of 1961] (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable, property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 1111 situated at Building No. 4, Janakpuri District Centre, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has ben transferred under the Registration in the Office IAC Acq, Range I, New Delhi on Feb. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have, not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M|s. Niagara Hotels & Builders 'P' Ltd. 8C|6, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

 (Transfero
- (2) Smt. Satish Khosla, Wo Sh. B. K. Khosla, 26, Bunglow Road, Kamla Nagar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later: (b) by any other person interested in the official Gazettee:

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Super area 737 sq. ft. Flat No. 1111 on the 11th floor, building No. 4, Janakpuri District Centre, New Delhi.

Date: 12-11-86.

Scal:

निर्देश सं. आई ए मा/एक्प-7/37इइ) 286/ 1555:-- अतः मुझे, श्री वी के भंगोला श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम श्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000)- ६० से प्रधिक है और जो सुपर एरिया 930 फीट फ्लेट नं. 1112 11वां खंड, बिल्डिंग नं. 4, जनकपूरी जिला सेंटर, नई दिल्तों में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्य रूप से वर्षित है), सहायक श्रायकर क्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 7, नई दिल्ली में भारतीय भ्रायकर श्रश्धिनियम, 1961 के प्रधीन तारीख फरवरी, 1986 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे ये विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दुख्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है और भन्तरक (भ्रन्तरकों) और भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे म्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न--लिखित उद्देश्य से उंक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:-

- (क) श्रन्तरण से हुए किसी श्राय की बाबत आयकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के अंतरल के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या
 - (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हों भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था. खिलाने में सुविधा के लिए.

भ्रतः श्रब उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-भ्रको उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात :-

 मैसर्स नायगेरा होटल्स एड बिल्डर्स प्रा. लि. 8सा/6, दब्द्य इ ए, करोल बाग नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सतीश खोसला पत्नी भी, के. खोसला 26, बंग्लो रोड, कमला नगर, दिल्ली (भ्रन्तरिती)

का यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीखासे 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताधारी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो श्रायकर श्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, यही श्रर्य होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया, है।

ग्रनुसूची

मुपर एरिया 930 वर्ग फीट फ्लैट नं. 1112, 11वां खंड, बिल्डिंग नं. 4, जनकपूरी जिला मेंटर, नई दिल्ली।

तारीख: 12-11-86

मोहर:

Ref. No. IAC|Acq. VII|37EE|2-86|1555.—Whereas I V. K. Mangotra being Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable, property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 1112 situated at Building No. 4, Janakpuri District Centre, New Delhi (and more fully described in the Schedule unnexed hereto) has been transferred under the Registration in the Office IAC Acq, Range I, New Delhi on Feb. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act 1952 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to he following persons, namely:—

- (1) M/s. Niagara Hotels & Builders 'P' Ltd. 8C/6, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.
 - (Transferor)

(2) Smt. Satish Khosla, Wo Sh. B. K. Khosla, 26, Bunglow Road, Kamla Nagar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the official Gazette:

Explanation:—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Super area 930 sq. ft. Flat No. 1112 on the 11th floor, building No. 4, Janakpuri District Centre, New Delhi.

Date: 12-11-86.

Seal:

निर्देश सं. आई ए सा/ए क्यू 7/37ईई/2-86/1556: - ग्रतः मुझे, श्रो वी के मंगोता ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त ग्रीधिनियम कहा गया है) को धारा 269 ख के ग्रीचेन सक्षम ग्रीधकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क. में ग्रीधिक हैं और जो स्पर एरिया, 930 वर्ग फीट फ्लट नं. 1106

11वां खंड बिल्डिंग नं. 4, जनकपुरी जिला सेंटर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपांबंड अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), सहायकर प्रायुक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 7 नई दिल्ली में भारताय प्रायकर प्रधिनियम, 1961 के प्रधीन नारीख फरवरी 1986 की पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम में कम दृष्णमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुझे ये विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृण्यमान प्रतिफल के पत्वेह प्रतिकार प्रधिक है और प्रकारक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसं आय के बाबन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अयो कर देने के अन्तरल के दायित्व में कमा करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐर्मा किसो श्राय या किसी धन पा श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रीधितियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रीधितियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर श्रीधितियम 1957 (1957 का 27) के श्रयोज-नार्थ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था/किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए,

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम का धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम को धारा 269-घ को उपधारा (1) के श्रधीन निम्नैलिखित व्यक्तियों, श्रयित् :—

 मै. नायगेरा होटल्म एंड बिल्डिस प्रा. लि. असी/6, डब्ल्युइए, करोल बाग, नई दिल्ला

(अंतरक)

2. श्रा सताम खोसला पत्नी बोकेखोसला 26, बंग्लो रोड, कमला नगर, नई दिल्ला। (श्रन्सिएतो)

को यह सूचना आर्रा करके पूर्विकत सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्येबाहा गुरू करता है। उकत सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की श्रविधि या तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन को श्रविधि बाद में समाप्त होता हो, के भोतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्तक्षरा के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पर्द्धावरण :--इसमें प्रयुक्त णब्दों और पदों का, जो श्रायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथा परिकाषित है, यह अर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

ग्रन<u>ु</u>सूचे।

मुपर एरिया 930 वर्ग फोट फ्लैट नं. 1106. 11वा खंड विल्डिंग नं. 4, जनकपुरा डिस्ट्राक्ट सेंटर, नई दिल्ला।

तरि.ख: 12-11-86

मोहर :

Ref. No. IAC|Acq VII₁37-EE|2-86|1556,—Whereas I, V. K. Mangotra, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable, property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 bearing Flat No. 1106, situated No. at Building No. 4, Janakpuri District Centre, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration in the Office of the IAC Acq. Range I New Delhi on February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mls. Niagara Hotels & Builders 'P' Ltd. 8C/6, W.E.A., Karol Bagh, New Delhi, (Transferor)
- (2) Smt. Satish Khosla Wlo
 Sh. B. K. Khosla,
 26. Bunglow Road, Kamla Nagar, Delhi.
 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the official Gazette:

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Super area 930 sq. ft. Flat No. 1106 on the 11th floor, Building No. 4, Janukpuri District Centre, New Delhi.

Date: 12-11-86.

Seal:

निर्देश मं. ग्राई. ए. मः अर्जन/7/37-ई ई/2-86/1557.--ग्रतः मझे. श्री वी० के० मंगीना ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त ग्रधि-नियम' कहा गया है) की धारा 269व के श्रधीन सक्षम ग्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- ह. से ग्रधिक है और जिसकी संख्या है तथा जो सुपर एरिया 709 वर्ग 11यां खंड, बिल्डिंग नं. 4, जनकपूरी डिस्टीक्ट वेंटर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावत अनसूची में पूर्व रूप मे वर्णित है), सहायक फ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज 7 नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम. 1961 के अधीम तारीख फरवरी 1986 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रतिकत के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे ये विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृण्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशन से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रान्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत श्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों कां, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ हारा श्रकट नहीं किया गया था/किया जाना चाहिएथा, छिपाने में सुविधा के लिए,

श्रतः श्रब जक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, जक्त श्रधिनियम की धारा 269-श की उप-धारा (1) के श्रधीन निम्नलिखन व्यक्तियों, श्रथीत् :---

- मैं तर्भ नायगेरा
 होटल्स बिल्डिम प्रा. लि.
 8सी/6, डब्ल्यू. इ. ए.
 करौल बाग, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- श्रीमति सतीण खोसला पत्नी बी.के.खोसला 26, बंग्लो रोड, कमला नगर,
 दिल्ली। (अन्तरिनः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है । उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रंबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तारीख में 30 दिन की ग्रंबिध बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, यहें। श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

मुपर एरिया 709 वर्ग फीट फ्लेट नं. 1105, 11वां खंड बिल्डिंग नं. 4, जनकपुरी डिस्ट्रीक्ट सेंटर, नई दिल्ली।

नारीख: 12-11-86

मोहर:

Ref. No. IAC/Acq-VII/37EE/2-86/1557.—Whereas I, V.K. Mangotra being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable, property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 1105, situated at Building No. 4, Janakpuri District Centre, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration in the Office of the IAC/Acq. Range 1, New Delhi on February, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds

the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Ms. Niagara Hotels & Builders P' Ltd. 8C'6. W.E.A., Karol Bagh. New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Satish Khosla Wlo

Sh. B. K. Khosla,

26, Bunglow Road, Kamla Nagar, Delhi-6. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the official Gazette:

Explanation: The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Super Area 709 sq. ft. Flat No. 1105 on the 11th floor Building No. 4. Janakpuri District Centre, New Delhi,

Date: 12-11-86.

Seal

निर्शेण सं, प्राई. ए सी. /सर्जन 7/37ईई/2-861558:— अंतः मुझे, श्री बी. के. मंगोत्रा, श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधि-नियम' कड़ा गया है) की धारा 269ख के ग्रिधीन सक्षम पश्चिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि न्यास्तर प्रधिक है और जिसकी संख्या है तथा को सुपर एरिया 586, वर्ग फीट फ्लेट, नं. 1110, 11वां खंड, जनकपुरी, नई दिल्लो में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में पूर्व रूप में विणत हैं), सहायक प्रायकर प्रायकर प्रायकर प्रायकर प्रायकर प्रायकर प्रायकर प्रायकर प्रायकर प्रायकित हैं। सहायक प्रायकर प्रायकर प्रायकित में भारतीय प्रायकर प्रायित्यम, 1961 के प्रधीन तारीख फरवरी 1986 को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई हैं और मुझे ये विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत प्रायक हैं और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से प्रधिक नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत भायकर भ्रिक्षित्यम, 1961 (1961 का 43) के भ्रमीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने मा उससे बचने में सुविधा के सिए और/या
- (जा) ऐसा किसा भाय या किसी धन या प्रस्य धास्तियों को जिन्हों भारतीय भायकर मधिनियम, 1923 (1922 का 11) या भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ द्वारा प्रकट नहीं किमा गया था किया जाना चाहिए था, खिन्नों में सुविधा के लिए,

भतः भव उक्त भिनियम की धारा 269-ग के भनुसरक ं, मैं उक्त भिनियम की धारा 269-व की उक्षारा (1) ं भन्नीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात् :—

- मैसर्स नायगेरा होटल्स, (ग्रन्तरक)
 एंड बिल्डिर्म प्रा. लि.
 8सो/6, डब्ल्य ई-ए, करोल
 बाग, नई दिल्ली।
- श्रोमित सतीश खोसला पत्नी बी० के० खोसला 26, बंग्लो रोड, कमला नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाही शुरू करता है । उक्त सम्पक्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप

(क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीचा के 45 दिन की सचिक का तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों कर 1162 G1/86-3

सूचना को तामील से 30 दिन की श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में कियो व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त ग्रन्थां और पदों का, जो ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, यही ग्रायं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

सुपर एरिया 586 वर्ग फीट पर्लंट नं. 1110, 11वां खंड, बिल्डिंग नं. 4, जनकपुरी, जिला सेंटर, नई दिल्ली।

तारीख: 12-11-86

मोहर:

Ref. No. IAC/Acq.VII/37EE/2-86/1558.—Whereas I, V. K. Mangotra, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable, property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 1110 situated at Building No. 4, Janakpuri District Centre, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration in the Office of the IAC/Acq. Range I, New Delhi on February. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

(1) Mis. Niagara Hotels & Builders (P) Ltd., 8Cl6, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi., (Transferor) (2) Smt. Satish Khosla, wo. Sh. B. K. Khosla, 26, Bunglow Road, Kamla Nagar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Offieial Gazette:

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Super Area 586 Sq. ft. flat No. 1110 of the 11th floor, Building No. 4, Janakpuri District Centre, New Delhi.

Unte bideell-86.

अतः निर्देश सं. ब्राई प्. सी./अर्जनी 7/37ईई/2-86/1550:-कर्ताः मुक्कः श्रीः नः केः मंगोताः अध्यकरः श्रधनियम, 1961ः '(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत ग्रधि-नियम कहा गया है) के धारा 269ख के अर्धन सक मिश्रकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या है तथा सुपर एरिया फ्लैट नं! 1104, 11वां खंड बिल्डिंग नं. 4, जनकपूरी हिस्ट्रीक्ट सेंटर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन सूची में पूर्व रूप से वर्णित है), सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 7 नई दिल्ली में भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1961 के ग्रधीन तारीख फरनरी को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल केलिए अन्तरित की गई है और मझे ये विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बोच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय परमा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

ें (क) जन्तरण से हुई किसी ब्राय की बाबत आयकर प्राधितयमें, 1961 (1961 की 43) के ब्रधीत के किसी करने किसी किसी करने किसी किसी करने किसी किसी के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 जा 43) या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था/किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए,

श्रतः अब उनतः, श्रिक्षित्यमं को धारा 269-ग के अनुसरण में, मै उनत अधिनियम के धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधिन निम्नलिखित व्यक्तियो, श्रिथात् :—

- मैसर्स (ग्रन्तरक)
 नायगेरा होटल्स एंड बिल्डिंप
 प्रा. लि. 8स / 6, डब्ल्यू
 इं-एं, करोल बाग, नई
 दिल्ली।
- 2. मिस् रूचे खोलला एंड बाह खोसला सपुत व ० के० खोसला 26, बंग्लो रोड, कमला नगर, नई दिल्लो। (अन्तरिती)

की यहं सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति ग्रर्जन के लिए काँगंगाहा मुक्त करता है। उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई मी आधीप !

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तार ख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एक सूचना की तामाल से 30 दिन की अवधि बादें में त्रिकेटी हैं हैं। हो जी तर पूर्वीतत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारों ; "
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख है

 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति है

 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्ष
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे:

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ग्राए ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) ग्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, यहा ग्रथ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रन् सूची

सुपर एरिया 745 वर्ग फोट फ्लट नं. 1104, 11वां खंड, बिल्डिंग नं. 4, जनकपुरी डिस्ट्रीक्ट सेंटर, नई दिल्ली ।

वी. के. मंगोता, सक्षम ग्रविकारी वारीख्न:12-11-86 सह्यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्मेश्वण) मोहरक्षण

Ref. No. IAC|Acq.VII|37EE|2-86|1559.—Whereas I, V. K. Mangotra being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable, property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and hearing Flat No. 1104 situated at Bldg. No. 4 Janakpuri Distt. Centre, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration in the Office IAC' Acq, Range-I, New Delhi on Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferce (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under approximately constant of the following persons, namely :—

- (1) M|s. Niagara Hotels & Builders (P) Ltd., 8C|6, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi. (Transferor)
- (2) Miss Ruchi Khosla & Vahi Khosla d|o. Sh. D. K. Khosla 26, Bunglow Road, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Official Gazettee:

Explanation .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Super Area 745 sq.ft. Flat No. 1104 on the 11th floor Building No. 4, Janakpuri District Centre, New Delhi.

Date: 12-11-1986.

Seal

V. K. MANGOTRA, Competent Authority (Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax) Acquisition Range VII